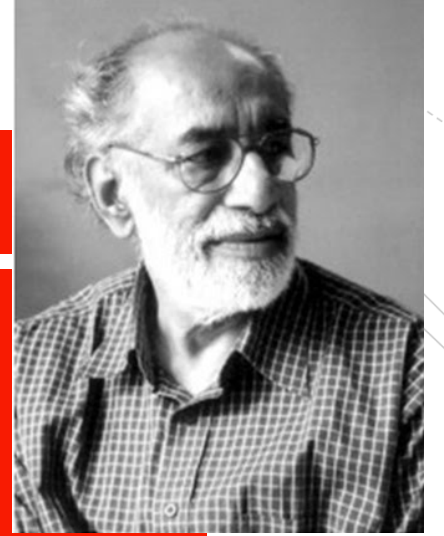


ટિકટ અલબમ

સુંદરા રામચામી



मुख्य बिंदु

राजप्पा और
नागराजन के
टिकट-अलबम
पर आधारित है।

राजप्पा ने स्वयं टिकट
इकट्ठा कर अपना
अलबम बनाया था।

नागराजन के मामा ने
उसे उपहार में
टिकट-अलबम दिया।

राजप्पा ईर्ष्या के
कारण नागराजन
का अलबम चोरी
कर पुलिस के डर
से जला देता है।

बाद में पश्चाताप के कारण
अपना प्रिय अलबम
नागराजन को दे देता है।

पाठ का सार

‘टिकट अलबम’ तमिल भाषा में सुमित अय्यर द्वारा लिखी कहानी है। जिसका हिंदी अनुवाद सुंदरा राम स्वामी ने किया है। कहानी राजप्पा की है जिसे टिकट इकट्ठा करने का शौक है और उसने अपना एक अलबम बनाया है। उसके अलबम की सभी सराहना करते हैं। उसके ही कक्षा में पढ़ने वाला नागराजन जिसके पिता पुलिस विभाग में है, उसके मामा ने सिंगापुर से बाजार से खरीदकर बहुत सुंदर सा अलबम भेजा। नागराजन के अलबम के बाद कोई भी राजप्पा के अलबम को पसंद नहीं करता। राजप्पा अब दुखी रहने लगा और अचानक एक दिन उसने राजप्पा के अलबम को चुरा लिया और इतना अधिक डर गया कि डर से उस अलबम को जला दिया। इस घटना के बाद उसे बहुत पछतावा हुआ और नागराजन जब उसके सामने रोने लगा तो उसने अपना अलबम हमेशा के लिए उसे दे दिया।